कोयला

राज्य में लगभग 80356.20 मिलियन टन कोयला के भंडार है जो देश के कुल भंडार का 36% है| देश के 90% कोकिंग कोल का भंडार भी इसी राज्य में उपलब्ध है | राज्य के कोयले का भंडार राँची, रामगढ , चतरा , बोकारो , दुमका , हजारीबाग , लातेहार , पलामू , गिरिडीह , गोड्डा , देवघर , दुमका एवम जामतारा जिलो में पाया जाता है | राज्य में प्रतिवर्ष लगभग 92 मिलियन टन कोयला ला उत्खनन होता है | जो राष्ट्रिय स्तर के कुल उत्पादन का लगभग 22% है | राज्य में कोयले का खनन कार्य मुख्य रूप से कोल इन्डिया के विभिन्न सहयोगी कम्पनी एवम टाटा समुह द्वारा किया जाता है | कोयले के उत्खनन एवम समुचित विकास हेतु भारत सर्कार द्वारा निजी एवम कारपोरेट क्षेत्रो को भी सम्मिलित किया जा रहा है | इस क्रम में विभिन्न औधोगिक घरानों एवम कारपोरेट सेक्टरो के कोयला के विभिन्न कोल ब्लॉक आवंटित किये गये है |

झारखण्ड में उच्च कोटि का कोयला पाया जाता है | यहा बिटुमिनस एवम एन्थ्रासाइट दोनों ही उपयोगी प्रकार के कोयले उपलब्ध है | बिटुमिनस कोयले में 78% से 86% तक कार्बन का अंश होता है तथा इसका उपयोग घरेलु कार्यो में उपयोग होता है| एन्थ्रासाइट कोयले में 94% से 98% तक कार्बन का अंश होता है | झारखण्ड को खनिजो से होनेवाली कुल आय का 75% कोयले से प्राप्त होता है |